NEWS CLIPPING: 25.04.2020

PUNJAB KESARI

जेसी बोस विश्वविद्यालय करेगा विद्यार्थियों के मोबाइल इंटरनेट डाटा-पैक की अदायगी

विद्यार्थियों की ऑनलाइन लर्निंग में अब इंटरनेट डाटा-पैक नहीं बनेगा बाधा

विद्यार्थियों को प्रतिदिन एक जीबी मोबाइल इंटरनेट डाटा-पैक शुल्क होगी प्रतिपूर्ति

फरीदाबाद,24 अप्रैल (ब्यूरो): जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद ने विद्यार्थियों को बड़ी राहत देते हुए उनके मोबाइल इंटरनेट डाटा-पैक शुल्क की अदायगी करने का निर्णय लिया है ताकि इंटरनेट के अभाव में विद्यार्थियों को घर से ऑनलाइन पढाई जारी रखने तथा शिक्षकों के साथ ऑनलाइन माध्यमों से जुड़े रहने में किसी प्रकार की कठिनाई का सामना न करना पड़े। यह निर्णय विश्वविद्यालय द्वारा ऑनलाइन कक्षाओं के दौरान ऑनलाइन कनेक्टिविटी की समस्या का सामना कर रहे विद्यार्थियों के व्यापक हितों को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। निर्णय के अनुसार अब विश्वविद्यालय 149 रुपये की तय सीमा में प्रतिदिन एक जीबी मोबाइल इंटरनेट डाटा-पैक शुल्क की प्रतिपूर्ति करेगा ताकि विद्यार्थियों को ऑनलाइन कक्षाओं में हिस्सा ले सके तथा विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान किये जा रहे ई-लर्निंग संसाधनों तक पहुंच बना सके। विद्यार्थियों के मोबाइल इंटरनेट डाटा-पैक शुल्क की प्रतिपूर्ति उनकी ट्यूशन फीस में समायोजित करके की जाएगी। कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि कोविड-19 महामारी के कारण उत्पन्न आपातकाल के दौरान दुनिया भर के शैक्षणिक संस्थान ऑनलाइन लर्निंग की जा रहे है जोकि शिक्षा क्षेत्र में एक क्रांतिकारी कदम है। शिक्षा के क्षेत्र में हो रहे इन बदलावों के अनुरूप जे.सी. बोस विश्वविद्यालय ने ऑनलाइन शिक्षण को बढ़ावा देने के लिए अहम कदम उठाये है, जिसमें विद्यार्थियों को घर से ऑनलाइन पढाई जारी रखने की सुविधा देते हुए इन-हाउस डिजिटल लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम (डीएलएमएस), ई-लाइब्रेरी पोर्टल और मोबाइल ऐप की शुरुआत की गई है। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय विद्यार्थियों की शिक्षा को लेकर चिंतित हैं और हर संभव प्रयास किये जा रहे है ताकि विद्यार्थियों को लॉकडाउन अवधि के दौरान किसी भी कठिनाई का सामना न करना पड़े। ऑनलाइन शिक्षण-अध्ययन प्रक्रिया की सफलता के लिए इंटरनेट कनेक्टिविटी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इसलिए, विश्वविद्यालय ने अपने विद्यार्थियों को शुरूआत में एक महीने के लिए प्रति दिन एक जीबी तक मुफ्त मोबाइल इंटरनेट डाटा-पैक प्रदान करने का निर्णय लिया है। इस पर विद्यार्थियों से प्रतिक्रिया ली जाएगी, जिसके उपरांत विद्यार्थियों के लिए इस राहत को आगे भी बढ़ाया जा सकता है। उल्लेखनीय है कि विश्वविद्यालय में विभिन्न शिक्षण विभागों में कुल 4200 से अधिक विद्यार्थी पढाई कर रहे है।

NEWS CLIPPING: 25.04.2020

THE TRIBUNE

FARIDABAD ONLINE SEMINAR BY VARSITY

The Civil Engineering Department of JC Bose University of Science and Technology, YMCA, organised a one-day online seminar on 'Covid 19: Challenges and Opportunities' on Friday. Vice-Chancellor Prof Dinesh Kumar emphasised the need for online discussion and solution to the various problems arising out of Covid. Shekhar Gupta, Assistant General Manager, Ador Welding Limited, advised students to stay at home. He stressed upon the need to change the design of working spaces and sitting plan. TNS

The Tribune Sat, 18 April 2020
https://epaper.tribunei

NEWS CLIPPING: 25.04.2020

THE PIONEER

जेसी बोस करेगा विद्यार्थियों के मोबाइल इंटरनेट डाटा पैक की अदायगी

फरीदाबाद। वाईएमसी स्थित बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय ने विद्यार्थियों को बड़ी राहत देते हुए उनके मोबाइल इंटरनेट डाटा-पैक शुल्क की अदायगी करने का निर्णय लिया है।

ताकि इंटरनेट के अभाव में विद्यार्थियों को घर से आनलाइन पढ़ाई जारी रखने तथा शिक्षकों के साथ आनलाइन माध्यमों से जुड़े रहने में किसी प्रकार की कठिनाई का सामना न करना पड़े। यह निर्णय विश्वविद्यालय द्वारा ऑनलाइन कक्षाओं के दौरान ऑनलाइन कनेक्टिविटी की समस्या का सामना कर रहे विद्यार्थियों के व्यापक हितों को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। निर्णय के अनुसार अब विश्वविद्यालय 149 रुपये की तय सीमा में प्रतिदिन एक जीबी मोबाइल इंटरनेट डाटा-पैक शुल्क की प्रतिपूर्ति करेगा। ताकि विद्यार्थियों को ऑनलाइन कक्षाओं में हिस्सा ले सके तथा विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान किये जा रहे ई-लर्निंग संसाधनों तक पहुंच बना सके। विद्यार्थियों के मोबाइल इंटरनेट डाटा-पैक शुल्क की प्रतिपूर्ति उनकी ट्यूशन फीस में समायोजित करके की जाएगी।

NEWS CLIPPING: 25.04.2020

NAVBHARAT TIMES

यूनिवर्सिटी करेगी छात्रों के मोबाइल डेटा-पैक का भुगतान

■ **एनबीटी न्यूज, फरीदाबाद:** जेसी बोस (वाईएमसीए) यूनिवर्सिटी ने छात्रों को बड़ी राहत देते हुए उनके मोबाइल इंटरनेट डाटा पैक शुल्क की अदायगी करने का फैसला लिया है। यूनिवर्सिटी ने यह फैसला इसलिए लिया है ताकि इंटरनेट के अभाव में छात्रों की ऑनलाइन पढ़ाई न छूटे और छात्र ऑनलाइन माध्यमों के जरिए शिक्षकों के साथ जुड़े रहें।

ऑलाइन क्लास के दौरान कनेक्टिविटी की दिक्कतें आ रही थी, जिसके चलते यूनिवर्सिटी ने यह फैसला लिया है। इसके तहत यूनिवर्सिटी 149 रुपये की तय सीमा में प्रतिदिन एक जीबी मोबाइल इंटरनेट डाटा-पैक शुल्क की आपूर्ति करेगी ताकि छात्र ऑनलाइन कक्षाओं में हिस्सा ले सकें। सभी छात्र अलग-अलग मोबाइल नेटवर्क यूज करते हैं, इसलिए फिलहाल किसी एक कंपनी को हायर कर इस योजना को सिरे नहीं चढ़ाया जा सकता। ऐसे में यूनिवर्सिटी ने तय किया है कि फिलहाल छात्र अपने पैसे से डाटा पैक लें। जब छात्र ट्यूशन फीस जमा करेंगे, तो उसमें से डाटा पैक के पैसे कम कर दिया जाएंगे। इस तरह से सभी छात्र इस डाटा-पैक की योजना का लाभ ले सकेंगे।

> छात्रों की ऑनलाइन पढ़ाई में इंटरनेट डाटा-पैक का शुल्क नहीं बनेगा बाधा

छात्रों को नहीं होने देंगे दिक्कत: यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रफेसर दिनेश कुमार ने बताया कि कोरोना संकट के समय दुनिया भर के शैक्षणिक संस्थान ऑनलाइन लर्निंग की तरफ जा रहे है, जोकि शिक्षा क्षेत्र में एक क्रांतिकारी कदम है। ऐसे में जेसी बोस यूनिवर्सिटी ने ऑनलाइन शिक्षण को बढ़ावा देने के लिए अहम कदम उठाएं है। छात्रों को घर से ऑनलाइन पढ़ाई जारी रखने की सुविधा देते हुए इन-हाउस डिजिटल लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम (डीएलएमएस), ई-लाइब्रेरी पोर्टल व मोबाइल ऐप की शुरुआत की गई है।